इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

अर्थशास्त्र

→ इसमें संसाधनों के वितरण का अध्ययन करते हैं, जिससे एक उपभोक्ता (मुद्रा एवं समय) को अधिक से अधिक संतुष्टि प्राप्त हो. एक उत्पादक (भूमि, श्रम, पूंजी, संगठन) को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो एवं सरकार समाज कल्याण कर सके।

उत्पादन के साधन :-

1. भूमि 2. श्रम 3. पूँजी 4. संगठन

→ अर्थशास्त्र में वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन, वितरण, विनिमय एवं उपभोग होता है।

व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics)

→ इसमें एक लघु-स्तरीय अध्ययन करते हैं, जैसे- एक उपभोक्ता के मांग का अध्ययन एक उत्पादक की आपूर्ति का अध्ययन आदि।

→ इसे किमत सिद्धांत (Price Theory) भी कहते हैं।

समष्टि अर्थशास्त्र

→ इसमें समग्र स्तर का अध्ययन होता है जैसे- राष्ट्रीय, आय, गरीबी, बेरोजगारी का अध्ययन।

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

सकारात्मक अर्थव्यवस्था (Positive Economics)	नियामक अर्थशास्त्र (Normative Economics)
1. यह आकड़ों एवं तथ्यों से संबंधित है	1. यह मतों एवं निर्णयों पर आधारित है
2. क्या था क्या है एवं क्या होगा (What was What is & What Would be	2. क्या होना चाहिए (What ought tobe)

अर्थशास्त्र (Economics)	अर्थव्यवस्था (Economy)
यह सिद्धांतो एवं नियमों संबंधित है! क्या होगा!	यह किसी एक विशेष क्षेत्र में अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को लागू करने का अध्ययन है!

अर्थव्यस्था के प्रकार :-

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (capitalist Economy)

→ इसमें अधिक से अधिक संसाधन निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में होते हैं! अर्थात सभी आर्थिक गतिविधियों निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित की जाती हैं!

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

उत्पादक की गुणवत्ता एवं मात्रा उपभोक्ताओं की माँग के आधार पर होती है !

- बाजार सेनाओं (Market Force) (माँग, आपूर्ति) का स्वतंत्र प्रवाहन - लाइसेज फेयर !
- मुख्य विशेषता - लाभ कमाना !
- उद्यम की स्वतंत्रता !
- सरकार का कम हस्तक्षेप !
- उपभोक्ता संप्रभुता (consumer Sovereignity)
- किमत तंत्र (Price Mechanism)

China, USA, France, Canada etc.

समाजवादी अर्थव्यवस्था

- उत्पादन के साधनों पर समुदाय का स्वामित्व होता है !
- सरकार का अधिक नियंत्रण !
- मुख्य उद्देश्य - अधिक से अधिक समाज कल्याण, आय का समान वितरण, आत्म-निर्भरता !
- केन्द्रिय आर्थिक योजना !
- बाजार की सेनाओं का अभाव !
- उपभोक्ताओं के लिए कोई विकल्प नहीं !

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

मिश्रित अर्थव्यवस्था

दोनों निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र

निजी ↓ लाभ कमाना

सार्वजनिक क्षेत्र ↓ समाज कल्याण

आर्थिक नियोजन

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

गतिविधियों के आधार पर

प्राथमिक क्षेत्र (Primary section)

द्वितीयक क्षेत्र (Secondary section)

तृतीयक क्षेत्र (Tertiary section)

- चतुर्थातक (Quaternary)
- क्विनरी (Quinary)

काम करने की स्थिति के आधार

1. संगठित (organised)
2. असंगठित (unorganised)

स्वामित्व के आधार पर

1. सार्वजनिक (Public)
2. निजि (Private)

प्राथमिक क्षेत्र

- यह भूमि एवं संबंधित गतिविधि से जुड़ा होता है
- अन्य क्षेत्रों को कच्चा माल देता है।
  जैसे - कृषि, मत्स्यपालन, डेयरी, पशु-पालन, खनन एवं उत्खनन।
- जो लोग इसमें कार्यरत हैं उन्हे Red collar Workers (लाल कालर धारी) कहते हैं।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका न्यूनतम योगदान है लेकिन सर्वाधिक जनसंख्या इसी मे है।

द्वितीयक क्षेत्र

- इसमें प्राथमिक क्षेत्र के कच्चे माल को अंतिम वस्तुओं में परिवर्तित किया जाता है।
- औद्योगिक एवं उत्पादन क्षेत्र भी कहते हैं।
- चीनी मिल, कपड़ा उद्योग, लौह एवं इस्पात उद्योग, सड़क - निर्माण, बिजली उत्पादन।
- Blue Collar Worker.

तृतीयक क्षेत्र

- सेवाओं से संबंधित क्षेत्र है इसे सेवा-क्षेत्र भी कहते हैं
- शिक्षण Banking बीमा यातायात आदि
- White Collar Workers
- सेवा क्षेत्र को दो अन्य क्षेत्रों में विभाजित किया गया

चतुर्थातक क्षेत्र

- ज्ञान संबंध क्षेत्र है
- प्राथमिक एवं विश्व-विद्यालयों की कक्षायें
- शोध एवं विकास

क्वनरी क्षेत्र

- देश के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले से संबंधित है
- वरिष्ठ व्यावसायिक अधिकारी, सरकारी अधिकारी, अनुसंधान वैज्ञानिक, एवं उच्च वेतन प्राप्त
- Gold Collar Workers.

कार्य करने की स्थिति के आधार पर

1. संगठित क्षेत्र
2. असंगठित क्षेत्र

आधार	संगठित	असंगठित
1. रोजगार की शर्तें तय की जाती हैं	✓	✗
2. सरकारी नियम	✓	✗
3. नियमित मासिक वेतन	✓	✗
4. नौकरी की सुरक्षा	✓	✗
5. कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाएँ पेंशन आदि जैसे-अतिरिक्त लाभ	✓	✗

स्वामित्व के आधार पर

→ सार्वजनिक क्षेत्र - सरकार ≥ 51%

→ निजि क्षेत्र - सरकार ≤ 51%

अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधी के आधार पर

Open Economy → आयात एवं निर्यात बाह्य देशों के साथ

Closed Economy → नहीं

विकास के आधार पर

आधार	विकसित	विकासशील
GD Growth	↑	↓
प्रति व्यक्ति आय	↑	↓
गरीबी	↓	↑
बेरोजगारी	↓	↑
जीव स्तर	↑	↓
आय का वितरण	समान	असमान
उत्पादन के साधनो का प्रयोग	प्रभावी	अप्रभावी

NOTE:-

→ आर्थिक विज्ञान में स्वेरेजिस (अर्थशास्त्र का Nobel) रिक्त बैंक पुरस्कार - विश्व का पहला केन्द्रिय बैंक 1668, Stockholm, स्वीडन

→ सर्वप्रथम अर्थशास्त्र का Nobel Prize → Ragnar Frisch & Jan Tinbergen → 1969

→ एडम स्मिथ (Wealth of Nation) → अर्थशास्त्र के जनक
An Inquiry in to Nature and Causes of Wealth of Nation - 1776

→ समष्टि अर्थशास्त्र के जनक - J.M. keyns.
General theory of Employment Interest & Money - 1936.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रवाह

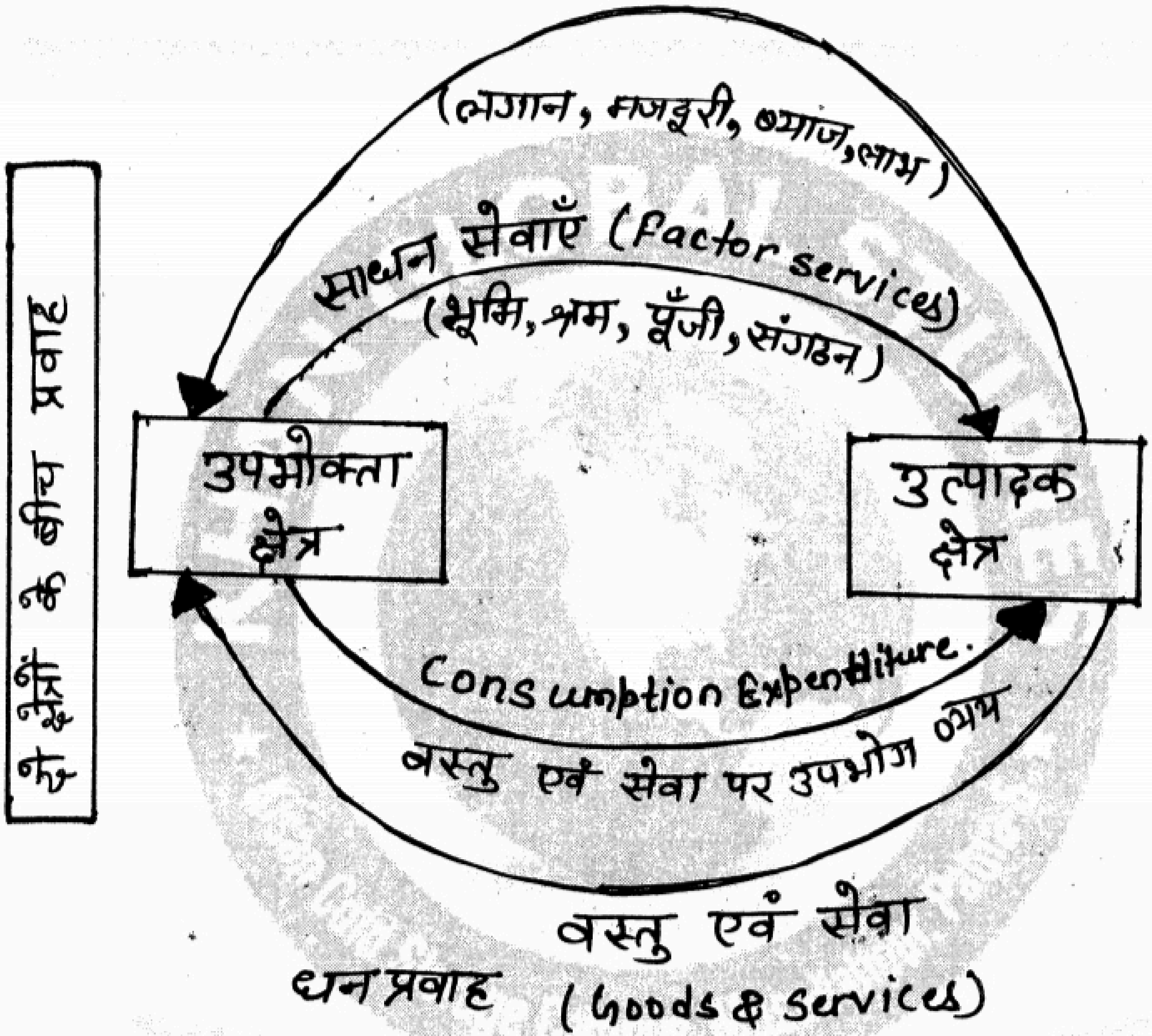

वास्तविक प्रवाह (Real Flow) -

→ उपभोक्ता क्षेत्रों से उत्पादक क्षेत्रों की ओर साधन सेवाओं का प्रवाह एवं उत्पादक क्षेत्रों से वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रवाह को वास्तविक प्रवाह कहते हैं एवं इसे वास्तविक क्षेत्र (Real sector) कहा जाता है।

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

मौद्रिक / धन प्रवाह (Money Flow)

→ उत्पादक क्षेत्रों से उपभोक्ता क्षेत्रों की ओर साधन आय का प्रवाह एवं उपभोक्ता क्षेत्र के द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं पर किया गया व्यय मौद्रिक प्रवाह कहलाता है।

चार क्षेत्रों के मध्य प्रवाह